संक्षिप्त परिचय - डॉ. ग़ज़ाला जावेद

डॉ. ग़ज़ाला जावेद राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (रा.त्व.रो.यू.चि.अनु.सं.), हैदराबाद की **निदेशक (प्रभारी)** हैं। यह संस्थान केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (CCRUM), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है। संस्थान को **NABH और NABL** से मान्यता प्राप्त है, जो स्वास्थ्य सेवाओं तथा वैज्ञानिक अनुसंधान में गुणवत्ता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूनानी चिकित्सा, अनुसंधान, जनस्वास्थ्य, बौद्धिक संपदा तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में **30 वर्षों से अधिक का विशिष्ट व्यावसायिक अनुभव** रखने वाली डॉ. जावेद ने CCRUM तथा आयुष मंत्रालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वर्ष 2017 से वे CCRUM मुख्यालय से संबद्ध हैं, जहाँ उन्होंने तकनीकी प्रमुख/समन्वयक के रूप में कार्य करते हुए यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों की योजना, कार्यान्वयन, समन्वय तथा निगरानी का दायित्व संभाला। उनके कार्यक्षेत्र में मौलिक अनुसंधान, औषधि मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण, नैदानिक अनुसंधान तथा विभिन्न परिधीय संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों का समन्वय एवं अनुश्रवण शामिल रहा है।

डॉ. जावेद **जामिया हमदर्द** की पूर्व छात्रा हैं और उनका शैक्षणिक रिकॉर्ड उत्कृष्ट रहा है। उन्हें **स्वर्ण पदक एवं मेरिट प्रमाण-पत्र** से सम्मानित किया गया है। उन्होंने **बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** प्राप्त किया है तथा जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रबंधन में **WHO फेलोशिप** भी प्राप्त की है। वे प्रशिक्षित **बायोएथिसिस्ट (जैव-नैतिकता विशेषज्ञ)** हैं और उन्होंने ICMR तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के National Institutes of Health (NIH) द्वारा संयुक्त रूप से संचालित जैव-नैतिकता के दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा किया है।

डॉ. जावेद ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में लगभग **140 शोध-पत्रों** का लेखन/सह-लेखन किया है। उन्होंने **200 से अधिक वैज्ञानिक मंचों** पर योगदान दिया है तथा लगभग **25 पुस्तकों** का संपादन या समीक्षा की है। उनका कार्य साक्ष्य-आधारित यूनानी चिकित्सा, औषधि विकास एवं मानकीकरण, नैदानिक अनुसंधान, जैव-नैतिकता, बौद्धिक संपदा, पारंपरिक ज्ञान तथा जनस्वास्थ्य जैसे बहुआयामी क्षेत्रों में उनके व्यापक योगदान को दर्शाता है।

वर्ष **2009 से 2017** तक आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में अपने आठ वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने आयुष चिकित्सा पद्धतियों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा वैश्विक प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे WHO, WIPO, UNESCO, USFDA तथा NHPD जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं एवं नियामक निकायों के साथ विभिन्न गतिविधियों में शामिल रहीं, विशेष रूप से अमेरिका महाद्वीप से संबंधित कार्यों में। उन्हें विभिन्न कार्यसमूहों के लिए कई अवसरों पर **WHO विशेषज्ञ** के रूप में नामित किया गया। उन्होंने बौद्धिक संपदा तथा आनुवंशिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों से संबंधित WIPO की अंतरसरकारी समिति की बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने **जैव विविधता पर अभिसमय (CBD) के COP-11** में नागोया प्रोटोकॉल तथा पारंपरिक ज्ञान से संबंधित अनुच्छेद 8(j) के विषयों पर भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने **जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU)** के सहयोग से पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के संरक्षण पर **राष्ट्रीय स्थिति-पत्र (National Position Paper)** के विकास में भी योगदान दिया। इसके साथ ही, उन्होंने Developing Countries के लिए Research and Information System (RIS) में **Forum for Indian Traditional Medicine (FITM)** की सलाहकार सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

डॉ. जावेद को अमेरिका स्थित **University of Mississippi के National Center for Natural Products Research** में यूनानी चिकित्सा शाखा में **Visiting Scholar** के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। वहाँ उन्होंने प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया तथा USFDA के विशेषज्ञों के साथ संवाद एवं विचार-विमर्श किया।

अपने करियर के प्रारंभिक चरण में उन्होंने **Drug Standardisation Research Unit (DSRU), नई दिल्ली** की प्रभारी के रूप में कार्य किया। इसके पूर्व/साथ ही उन्होंने **Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), नई दिल्ली** में

भी कार्य किया, जहाँ उन्होंने औषधि मानकीकरण, नैदानिक अनुसंधान, रोगी देखभाल तथा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रों में योगदान दिया।

उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक यह है कि उन्हें सुश्री अहलूवालिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक **"India's Most Powerful Women"** में **"The Face of Unani"** के रूप में स्थान दिया गया। इस पुस्तक का विमोचन बर्लिन, जर्मनी में **विश्व व्यापार संगठन (WTO) के महासचिव** द्वारा किया गया था। इसके बाद यह पुस्तक तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति भारत, **श्री प्रणब मुखर्जी**, को राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुत की गई, जहाँ डॉ. जावेद को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

रा.त्व.रो.यू.चि.अनु.सं., हैदराबाद की निदेशक (प्रभारी) के रूप में संस्थान का नेतृत्व करने वाली पहली महिला के रूप में डॉ. जावेद संस्थान को अनुसंधान, नैदानिक सेवाओं, शिक्षा, नवाचार तथा साक्ष्य-आधारित यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में **उत्कृष्टता के केंद्र** के रूप में और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका उद्देश्य संस्थान की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पहचान को और मजबूत करना तथा CCRUM और यूनानी चिकित्सा पद्धति के निरंतर विकास एवं वैश्विक प्रसार में योगदान देना है।